नैतिक मूल्यों के पतन से समाज में गिरावट : न्यायमूर्ति वी. ईश्वरैया

रायपुर। आन्ध्रप्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति वी.ईश्वरैया ने कहा कि आध्यात्मिक और नैतिक मूल्यों का पतन होने से समाज के हर क्षेत्र में गिरावट देखने को मिल रही है। मनुष्यों का जीवन मूल्यहीन हो गया है। कानून से सामाजिक पतन को अस्थाई रुप से रोका जा सकता है। किन्तु समाज का पुनरोत्थान सम्भव नहीं।

न्यायमूर्ति ईश्वरैया प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के न्यायविद प्रभाग द्वारा शांति सरोवर में आयोजित न्यायविद परिचर्चा में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारा देश अध्यात्म के क्षेत्र में विश्व का गुरु था। किन्तु आज प्रेमपूर्ण व्यवहार करने वाला इंसान काम,क्रोध,लोभ, मोह और अहंकार से ग्रसित है। उन्होंने कवि प्रदीप द्वारा रचित गीत का उल्लेख करते हुये कहा कि "देख तेरे संसार की हालत क्या हो गई भगवान, कितना बदल गया इंसान"।

परिचर्चा में बोलते हुये राज्य के प्रमुख लोकायुक्त न्यायमूर्ति लालचंद भादू ने कहा कि हमारे देश में आर्थिक क्षेत्र में जितनी तरक्की की है उतनी ही तेजी से मानवीय मूल्यों का पतन हुआ है। इन दोनों में हम संतुलन नहीं रख पाये। उन्होंने कहा कि समाज में जब भी कोई बुराई आती है विधिवेत्ता कानुन बनाते हैं। लेकिन सिर्फ कानून बनाकर अपराधों को नहीं रोका जा सकता क्योंकि कानून मनुष्य के अन्त:करण का सुधार नहीं कर सकता। समाज का पुनरोद्धार करने के लिये ब्रह्माकुमारीज जैसे संस्थाओं की जरुरत है। महालेखाकार एन.एस.पिल्ले ने ज्वलंत विषय पर चर्चा के लिये ब्रह्माकुमारी संस्था की सराहना करते हुये कहा कि मूल्यनिष्ठ समाज उसे कहेंगे जहां समाज में अनुशासन हो। दण्ड व्यवस्था जितनी दृढ होगी समाज के लोगों का आचरण उतना ही अच्छा होगा। अच्छी न्याय व्यवस्था के साथ उसका पालन कराने वाली संस्था भी अच्छी होनी चाहिये। उन्होंने बच्चों का लालन-पालन अच्छे और पवित्र वातावरण में रहने पर जोर दिया।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एम.डब्लू.अंसारी ने कहा कि आजकल लोग स्वामी विवेकानंद जैसे महापुरुषों के बारे में कम और फिल्मी हीरो-हिरोइनों के बारे में ज्यादा जानते है। समाज सुधार के लिये काम कर रहे लोगों की बातों को गम्भीरता पूर्वक धारण करने से अच्छे समाज का निर्माण होगा।

परिचर्चा में भाग लेते हुये ब्रह्माकुमारी इन्दौर ज़ोन की क्षेत्रीय प्रशासिका ब्रह्माकुमारी कमला बहन ने कहा कि संसार के पतन को रोकने के लिये समय प्रति समय अनेक महान लोग दुनिया में आये और अपनी-अपनी तरह से प्रयास किये। उनके प्रयास से समाज में कुछ परिवर्तन भी आया। किन्तु वर्तमान समय समाज का अत्यधिक पतन देखने को मिल रहा है। आये दिन दुष्कर्म की जो घटनायें हो रही है, वह नैतिक पतन का ही दुष्परिणाम है। इसे रोकने के लिये कानून बनाने के साथ-साथ मनुष्यो के चारीत्रिक उत्थान के दिशा में भी प्रयास करना होगा।

ब्र.कु. प्रियंका ने मुख्य विषय पर प्रकाश डाला। ब्रह्माकुमारी प्रभाती ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। संचालन ब्रह्माकुमारी सविता ने किया।

शास्त्री नगर। अलविदा तनाव शिविर के पश्चात ग्रुप फोटो में एडीशनल एस.पी. तिलक सिंह, आर.आई.अधिकारी आनंद घूंघटवाल, ब्र.कु.सविता, ब्र.कु.मधुबाला।

कालानी नगर। भागवत कथा में जनसमूह को संबोधित करते हुए ब्र.कु.सुजाता बहन।

इन्दौर। मेडिकेप्स कॉलेज में "लीडरशिप क्वालिटी" विषय पर व्याख्यान देते हुए माउंट आबू से पधारी ब्र.कु.उषा दीदी।

हमारा लक्ष्य समाज के हित में निर्णय लेना हो

भिलाई। प्राचीन भारत में क्राइम फ्री सोसाइटी थी, जब यहां आदि सनातन देवी-देवता धर्म था। भारत एक महान देश माना जाता था। उस भारत में सभी एक दूसरे का सम्मान करते थे। आज वह सम्मान समाप्त हो गया है। उक्त उद्गार छत्तीसगढ प्रवास पर प्रथम बार आये आन्ध्रप्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति वी.ईश्वरैया ने "आध्यात्मिकता से अपराध मुक्त समाज" विषय पर अपने अनुभव युक्त उद्बोधन व्यक्त किये। आगे आपने कहा कि आज के भारत में स्त्री का कोई सम्मान नहीं है। मार-काट, भ्रष्टाचार इत्यादि बढता जा रहा है। गलत कर्म का गलत फल मिलेगा ये जानते हुये भी आत्मा में शक्ति न होने के कारण गलत करते जा रहे हैं क्योंकि सभी स्वयं को भूल चुके हैं। हम शुद्ध आत्मा या एनर्जी हैं यह भूल जाने के कारण स्वयं को 'मैं' यानि शरीर समझ बैठे हैं। स्वयं को जज, व्यापारी, राजनेता समझ बैठे हैं। उन्होंने अपने स्वयं का अनुभव बताते हुये कहा कि मैंने आज तक लालच के वशीभूत होकर कभी कोई निर्णय नहीं किया। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य समाज के हित में जजमेंट करना व बिना भेदभाव के जजमेंट करना है। यदि हम ऐसा निर्णय नहीं कर पा रहे हैं तो फिर हम दूसरे निर्णय कैसे ठीक कर पायेंगे। उन्होंने आगे कहा कि यदि भ्रष्टाचार का पैसा भारत के विकास में लगाया जाये तो बहुत सारी समस्याएं हल हो जायेंगी।उन्होंने वर्तमान समय के महत्व को बताते हुये कि हम जैसा संस्कार अभी बनाते हैं वैसा ही अगला जन्म होता है। अभी समय है संस्कारों को बदलने का। अपने को आत्मा समझ परमात्मा को याद करने से संस्कार बदलते जायेंगे, आत्मा शक्तिशाली होती जायेगी। रोज सुबह उठकर सोल कांसियस में स्थित होने से कभी स्ट्रेस नहीं होता, टेंशन नहीं होता, सही निर्णय होता है।

वर्तमान समय स्वयं परमपिता परमात्मा इन ब्रह्माकुमारी बहनों के माध्यम से नवयुग निर्माण का कार्य कर रहे है। यह ब्रह्माकुमारी बहनें अपना सम्पूर्ण जीवन समर्पित कर नि:स्वार्थ भाव से सर्व को परमात्मा का परिचय दे दिव्य गुण धारण करवा कर सुख शांति से जीवन जीने की राह बता रही है तथा एक पारिवारिक प्रेम का अनुभव करवा रही है। इसके पश्चात ब्रह्माकुमारी तारिका ने कामेंट्री के माध्यम से मेडिटेशन करा कर सबको गहन शांति का अनुभव कराया। स्वागत भाषण भिलाई सेवाकेंद्र संचालिका ब्रह्माकुमारी आशा बहन जी ने किया। मंच संचालन ब्रह्माकुमारी तारिका ने किया। युगरतन ने प्रभु स्मृति का बहुत सुंदर गीत प्रस्तुत किया।

जबलपुर। अखिल भारतीय वैश्य महिला महासम्मेलन में ब्र.कु.विमला बहन को बहुआयामी ईश्वरीय सेवाओं के लिए सम्मानित करते हुए वैश्य महिला समाज की जिला अध्यक्षा ज्योति जैन, मध्यप्रदेश शासन के पशुपालन मंत्री अजय बिश्नोई एवं महापौर प्रभात साहू।

इन्दौर। सड़क सुरक्षा सप्ताह के अवसर पर ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा किये गये उत्कृष्ट सेवाओं हेतु पुरस्कार प्रदान करते इन्दौर रेंज के आईजी अनुराधा शंकर, महापौर कृष्णमुरारी मोघे एवं डीआईजी ए.सांई मनोहर तथा पुरस्कार प्राप्त करते हुए ब्र.कु.अनिता बहन, ब्र.कु.उषा बहन।

टिकरापारा। गुजराती परिवार में आयोजित कार्यक्रम में ईश्वरीय संदेश देने के पश्चात ग्रुप फोटो में ब्र.कु.मंजु बहन तथा गुजराती समाज की महिलायें।